क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 215, गुरुवार, 30 अगस्त, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सिंधु जल समझौते पर बातचीत

भारत-पाक के बीच सिंधु जल समझौते को लेकर बैठक शुरू

इस्लामाबाद।

सिंधु जल समझौते पर बातचीत करने और तमाम मसलों को सुलझाने के लिए भारत-पाकिस्तान के बीच आज से स्थायी सिंधु आयोग (पीआईसी) की लाहौर में बैठक होने जा रही है। 29 और 30 अगस्त को होने वाली यह बैठक दोनों ही देशों के लिए काफी खास है। इस बैठक के दौरान दोनों पक्ष सिंधु जल समझौते के तहत विभिन्न मामलों पर बातचीत करेंगे। 28 अगस्त को पाकिस्तान आयुक्त सैयद मेहर अली शाह और अतिरिक्त जल आयुक्त शेराज जमील ने लाहौर पहुंचे भारतीय दल का जोरदार स्वागत किया। पाकिस्तान में नई सत्तासीन इमरान खान की सरकार के आने के बाद यह पहला मौका है जब दोनों देशों के बीच सिंधु जल समझौते पर कोई बैठक हो रही है। भारत-पाकिस्तान के बीच हो रही इस अहम वार्ता से पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने स्थानीय मीडिया को संबोधित करते हुए कहा था कि दोनों देशों के बीच जल आयोग की बैठक काफी समय से नहीं हुई थी। यह दो देशों के बीच क्षेत्र का नहीं बल्कि पानी की समस्या का मामला है। पाकिस्तान सूखे इलाके में आता है, ऐसे में देश पर पानी की कमी का असर पड़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना मोहम्मद ने पिछले दिनों कहा था कि भारत और पाकिस्तान के बीच 1960 में हुआ सिंधु जल समझौता दोनों देशों के विवादों के बीच भी बचा रहा और नदी जल बंटवारे को लेकर उपजे विवादों को सुलझाने की रूपरेखा तैयार करने में मददगार साबित हुआ। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जल उपयोग एक ऐसा क्षेत्र रहा है जहां कुछ देशों के बीच सहयोग संभव रहा है। वहीं मध्य एशिया में अमरीका अराल सागर को बचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ निकट सहयोग कर रहा है। 2017 के सितंबर महीने में भी इस मुद्दे पर एक बैठक का आयोजन किया गया था जो पूरी तरह से बेनतीजा रही थी। इस बैठक में दोनों देशों के बीच कोई समझौता नहीं हो सका था। कयास लगाए जा रहे हैं कि आज से शुरू हो रही इस बैठक में दोनों देश किसी नतीजे पर पहुंचेंगे।

बिप्लब बोले-बतख बढ़ाती है ऑक्सीजन, साइंटिस्ट ने ठहराया सही

अगरतला।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब देब ने हाल ही में नया ज्ञान दिया था कि बतख ऑक्सीजन लेवल बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर नीरमहल लेक में 50 हजार सफेद बतखें घूमेंगी तो कितना सुंदर दृश्य होगा और साथ ही उससे ऑक्सीजन भी रिसाइकल होती है। उन्होंने कहा कि मैं घोषणा करता हूं कि जल्द ही 50 हजार देसी हंस (बतख) लोगों को दिए जाएंगे। बिप्लब के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उनका काफी मजाक उड़ाया था। हालांकि इंडियन काउंसिल ऑफ फॉरेस्ट्री रिसर्च एंड एजुकेशन के साइंटिस्ट ए देबबर्मा ने सीएम की बात को सही ठहराते हुए कहा कि बतख-मछली फार्मिंग एक इंटीग्रेटेड फार्मिंग है और इनके मल-मूत्र से मछलियों को बढ़ने में मदद मिलती है।

देबबर्मा ने कहा कि यह सच है कि बतख प्राकृतिक एरेटर होते हैं और यह ऑक्सीजन लेवल बढ़ाने में मदद करते हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने कहा कि बतख पालन से स्थानीय लोगों को 8 से 10 करोड़ का रोजगार भी होगा। बिप्लब आए दिन अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। उन्होंने दावा किया था कि महाभारत काल में इंटरनेट और सैटेलाइट थे जिसकारण संजय महाभारत युद्ध को लाइव देख सके थे।

वहीं उन्होंने युवाओं को नौकरियों के बदले पान की दुकान खोलने की सलाह भी दे डाली थी।

देश के कई हिस्सों में मानसून फिर सक्रिय, अगले 24 घंटे में भारी बारिश की चेतावनी

नेशनल डेस्क। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल के पर्वतीय इलाके, सिक्किम, पश्चिम उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात , कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, तमिलनाडु और तटीय कर्नाटक के अलग-अलग हिस्सों में अगले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश होने का अनुमान है। पश्चिम-मध्य अरब सागर से मानसूनी हवाएं आने का अनुमान है इसलिए मछुआरों को समुद्र के अंदर न जाने की सलाह दी गई है। दक्षिण-पश्चिम मानसून पूर्व मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और उत्तर आंतरिक कर्नाटक में इस दौरान सक्रिय रहा। पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पश्चिम राजस्थान में मानसून कमजोर था। राजधानी के कई हिस्सों में रात से हो रही भारी बारिश के कारण हुए जल जमाव के चलते कई जगहों पर यातायात प्रभावित रहा। मौसम विभाग ने दिन के दौरान और बारिश होने और आर्द्रता का स्तर 100 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया है। विभाग ने बताया कि अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के करीब बने रहने का अनुमान है। भारी बारिश से छत गिरी, 70 साल की बुजुर्ग की मौत दिल्ली जयपुर हाइवे पर × किलोमीटर लंबा जाम लगा गुडग़ांव में जलभराव के चलते किया बंद किया फ्लाइओवर ।

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

मुंबई। बालीवुड के सुपरस्टार ऋतिक रोशन और सात अन्य लोगों पर चेन्नई के एक व्यापारी ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। मामला दर्ज कराने वाले सन इंटरप्राइजेज के आर मुरलीधरन के अनुसार गुडग़ांव की एक कंपनी ने ऋतिक को एचआरएक्स ब्रांड की मर्चेंडाइजिंग के लिए उसे स्टाकिस्ट नियुक्त किया था। मुरलीधरन ने कहा है कि फिल्मस्टार और इस मामले में शामिल आठ लोगों की धोखाधड़ी के कारण उसे 21 लाख रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। व्यापारी का आरोप है कि कंपनी की तरफ से उसे नियमित उत्पाद मुहैया नहीं कराये जाते थे। रितिक ने बिना जानकारी दिए विपणन टीम को खत्म कर दिया। इसे वजह से उसके पास रखे उत्पाद बेचे नहीं जा सके। कर्मचारियों के वेतन और माल को रखने के लिए गोदाम आदि का किराया मिलाकर उसे लगभग 21 लाख रुपए व्यय करने पड़े। रितिक पर भारतीय दंड संहिता की धारा 420 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

शिवपाल के सेक्यूलर मोर्चा गठन के बाद अखिलेश ने दिया बयान

लखनऊ।

सपा के दिग्गज नेता शिवपाल यादव द्वारा सेक्यूलर मोर्चा गठन के ऐलान के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपनी पहली प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि जैसे-जैसे चुनाव आएगा, ऐसी तमाम चीजें आपको देखने को मिलेंगी। लेकिन हमें इन मुद्दों पर अपना ध्यान नहीं भटकाना है। हम अपना ध्यान 2019 के चुनाव पर लगाये हुए हैं जिससे ज्यादा से ज्यादा सीट जीत सकें। अखिलेश ने कहा कि ये सब जो हो रहा है कोई शक नहीं है कि इसमें बीजेपी का हाथ न हो। लखनऊ में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि इस बात को तो मैं नहीं कहता, लेकिन अगर आज और कल की कुछ बातों पर गौर करें तो शक तो होता है। बीजेपी ध्यान भटकाने में माहिर है। समाजवादी पार्टी और साइकिल का सिंबल मेरे पास है। समाजवादी पार्टी की साइकिल बढ़ती जाएगी। मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा। सभी दल मिलकर बीजेपी को सबक सिखाने का काम करेंगे। जनता भी बेसब्री से चुनाव का इन्तजार कर रही है। जब पूछा गया कि क्या इससे समाजवादी पार्टी को नुकसान होगा, अखिलेश ने कहा क्या नुक्सान होगा? हमने

विकास का काम किया है,एक्सप्रेसवे बनवाए हैं, लैपटॉप बांटें है। आगे भी जीतेंगे। इस बीच अखिलेश यादव के इस बयान पर बीजेपी ने भी प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने कहा कि अखिलेश के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी लगातार चुनाव हार रही है। मुख्यमंत्री के तौर पर अखिलेश लोकसभा और विधानसभा चुनाव में बुरी तरह हारे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर नगर निगम और कोआपरेटिव का चुनाव भी हारे। अब अगर कोई विरोध कर रहा है तो उसमें बीजेपी का क्या हाथ? क्या समाजवादी पार्टी बीजेपी के इशारे पर चलती है?

दक्षिण कश्मीर में भाजपा नेता के घर पर आतंकी हमला

श्रीनगर ।

दक्षिण कश्मीर में पुलवामा जिला के त्राल कस्बे में गत देर रात आतंकियों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के घर पर हमला कर दिया। सूत्रों के अनुसार त्राल कस्बे के मोंगहामा गांव में गत देर रात आतंकियों ने भाजपा नेता अवतार सिंह के घर पर हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि हमले के वक्त सिंह घर पर मौजूद नहीं थे। वह वर्तमान में श्रीनगर में रह रहे हैं। पुलिस के अनुसार हमले में किसी भी तरह के जान और माल के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। इस बीच घटना के तुरन्त बाद अतिरिक्त सुरक्षाबल मौके पर पहुंच गए और पूरे गांव को घेर कर तलाशी अभियान शुरु कर दिया। गौरतलब है कि मंगलवार को आतंकियों ने पीडीपी के नेता के घर पर भी हमला किया था। हांलाकि पीडीपी नेता हमले में बाल-बाल बच गये थे। ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। कश्मीर में कुछ समय से आतंकी नेताओं को लगातार निशाना बना रहे हैं। हिज्ब के आतंकी रियाज नायकू ने नेताओं को पंचायती चुनावों से दूर रहने को भी कहा है।

इलाज के लिए दोबारा अमेरिका जाएंगे गोवा के सीएम पार्रिकर

पणजी।

मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर पार्रिकर आज रात इलाज के लिए अमेरिका रवाना होंगे। उनके कार्यालय ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री का अग्नाशय संबंधी बीमारी के लिए इस साल तीन महीने तक अमेरिका में इलाज चला था और वह जून में भारत लौटे थे। इस महीने की शुरुआत में वह स्वास्थ्य जांच के लिए फिर से अमेरिका गए थे। अमेरिका से लौटने के एक दिन बाद ही स्वास्थ्य जांच के लिए वह मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती हुए थे और आज गोवा वापस आने वाले थे। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पार्रिकर आज रात मुंबई से अमेरिका के लिए रवाना होंगे। अधिकारी ने मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य के संबंध में अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया। उन्होंने बताया,''मुख्यमंत्री पद का आधिकारिक पदभार उनके पास ही

रहेगा। किसी अन्य को यह पदभार देने की जरूरत नहीं है।'' पार्रिकर ने सात अगस्त को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी और राज्य के खनन सेक्टर के मौजूदा संकट से निपटने में हस्तक्षेप की मांग की थी।

हिजबुल मुजाहिदीन के डिविजनल कमांडर रियाज नायकू ने पंचायत चुनावों में भाग लेने वालों की आंखों में तेजाब डालेगे

हिजब कमांडर नायकू की धमकी, पंचायती चुनावों में हिस्सा लेने वालों पर करेंगे 'ऐसिड़ हमले'

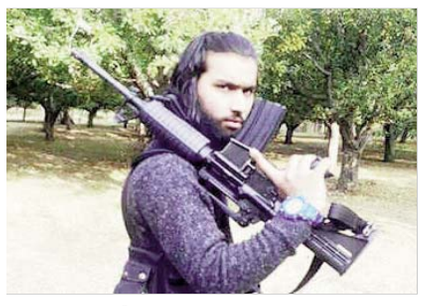

श्रीनगर ।

आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के डिविजनल कमांडर रियाज नायकू ने पंचायत चुनावों में भाग लेने वालों की आंखों में तेजाब डालने व उन्हें मौत के घाट उतारने की अपनी धमकी को एक बार फिर दोहराया। बता दें कि राज्य में स्थानीय निकाय और पंचायतों के चुनाव अक्तूबर माह के दौरान कराए जाने की योजना पर राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। हालांकि, आतंकी और अलगाववादी संगठनों ने लोगों से पंचायती चुनावों का बहिष्कार करने की अपील पहले से की है। इसके अलावा गत साल भी भी जब राज्य में पंचायत चुनावों की तैयारी होने लगी थी तो हिजबुल कमांडर रियाज नायकू ने चुनाव में हिस्सा लेने वालों की आंखों में तेजाब फेंकने और उन्हें अंधा करने की धमकी दी थी। सोशल मीडिया पर एक बार ओडियो संदेश जारी करके नायकू ने पंचायत चुनावों में हिस्सा लेने वालों को धमकी दी हैं। अपने 11.14 मिनट के आडियो संदेश में रियाज नायकू ने कहा है कि भारतीय सेना यहां लोगों के साथ मारपीट कर, कासो चलाकर, आतंकियों के घरों तोड-फोड़ कर, लोगों पर पंचायत चुनावों में भाग लेने का दबाब बना रहे हैं। लेकिन इससे आतंकी नहीं डरते और हम एक बार फिर कहते हैं कि हमने तेजाब जमा कर लिया है और जो लोग चुनाव का फार्म भरने जाएंगे, वह अपने लिए कफन का भी इंतजाम कर लें। हिजबुल कमांडर ने कहा कि उसकी सहयोगी आतंकी समीर टाइगर की मुखबिरी करने वाले को मार दिया गया है। सेना हमेशा उसके घर के बाहर मौजूद रहती थी, लेकिन उसके बावजूद उसे हमारे लोगों ने उसके घर में घुसकर सजा दी। इसलिए पंचायत चुनावों में लोगों को भाग लेने के लिए तैयार करने के इरादे से सेना आपको यकीन दिलाएगी की आपके साथ है, लेकिन वह आपके साथ नहीं रहेगी। हमने जिस मारना होता है, उसके किसी भी जगह मार सकते हैं। हमारी किसी के साथ कोई जाति दुश्मनी नहीं है। लेकिन राष्ट्र और तहरीक (आंदोलन) के साथ गद्दारी करने वालों को हम नहीं छोड़ेंगे। अभिभावक अपनी बच्चियों को सुरक्षाबलों के कार्यक्रमों से दूर रखें 12 लाख के ईनामी आतंकी रियाज नायकू ने अपने इस आडियो संदेश में अभिभावकों से कहा है कि वह अपने बच्चों को विशेषकर लड़कियों को सुरक्षाबलों व अन्य एजेंसियों द्वारा आयोजि खेल कार्यक्रमों और भारत दर्शन कार्यक्रमों से दूर रखने की हिदायत देते हुए कहा कि इनका मकसद सिर्फ कश्मीरी युवकों को तहरीक से दूर रखना और हमारी लड़कियों को गलत कामों व मुखबिरी की तरफ धकेलना है। भारतीय एजेंसियों के साथ मिलकर इस तरह के कार्यक्रम करने वालों को हम अच्छी तरह जानते हैं और हम उन्हें अपनी इन हरकतों से बाज आने को कहते हैं। आतंकी कमांडर ने लोगों और व्यापारियों को सी.सी.टी.वी. कैमरे हटाने या फिर उन्हें इस तरीके से लगाने को कहा जिससे उनमें सडक़ पर आतंकियों की आवाजाही रिकार्ड न हो। उसने कहा कि पुलिस अधिकारी इन सी.सी.टी.वी. कैमरों की फुटेज के सहारे हमारे ओ.जी.डब्ल.यू और साथियों की पहचान करती है।

संक्षिप्त समाचार

शोपियां में डीएसपी के काफिले पर आतंकी हमला, 4 जवान शहीद

श्रीनगर। आतंकवादियों ने बुधवार को घात लगाकर पुलिस काफिले पर हमला किया जिसमें चार पुलिसकर्मी शहीद हो गये। हमला शोपियां के अरहामा में उस समय किया गया जब डीएसपी हैडक्वार्टर की एस्कार्ट पार्टी निकली। चार पुलिसकर्मी हमले में घायल हो गये। उन्हें फौरन अस्पताल पहुंचाया गया पर चारों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार एस्कार्ट पार्टी क्षेत्र में पुलिस की एक गाड़ी की मरम्मत करवाने के लिए गई थी। यह भी जानकारी मिली है कि हमले के बाद आतंकी तीन राइफलें लेकर फरार हो गये। पुलिस अधिकारी ने हमले की पुष्टि की है। सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र को घेर कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

बीएसएफ ने जम्मू में घुसपैठ का प्रयास विफल किया, 3 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

जम्मू । सीमा सुरक्षा बल की टुकड़ी ने जम्मू जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दो किशोरों सहित तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर उनके पाकिस्तान भागने के प्रयास को नाकाम कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने आज बताया कि आरएस पुरा सेक्टर में सीमा की सुरक्षा में तैनात बीएसएफ के जवानों ने कल सीमा के पास कुछ गतिविधियां देखीं। बाद में वहां से तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया जो बांग्लादेशी नागरिक निकले। तीनों की पहचान अब्दुल करीम (20), मोहम्मद अली (18) और मोहम्मद जहांगीर (18) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि तीनों पाकिस्तान की सीमा में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। बीएसएफ ने तीनों को पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस उनके खिलाफ मामला दर्ज कर उनसे पूछताछ कर रही है। तीनों के पास से एक मोबाइल फोन, दो सिम कार्ड और 600 रुपये मूल्य की बांग्लादेशी मुद्रा बरामद की गयी है। सूचनाओं के अनुसार, वे लोग ट्रेन से जम्मू आये थे और एक गाइड की मदद से पाकिस्तान की सीमा में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के लिए तीनों को संयुक्त पूछताछ केन्द्र भेजा गया है।

ए के-47 रायफल गुम होने के मामले में कांस्टेबल निलंबित

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एक पुलिस कांस्टेबल को असाल्ट रायफल गुम होने के बाद निलंबित कर दिया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि 26 और 27 अगस्त की मध्य रात्रि पुलिस कांस्टेबल की एके -47 रायफल गुम हो गई थी और इस मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए उसे निलंबित कर दिया गया है। यह कांस्टेबल एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के निजी सुरक्षा अधिकारी के तौर पर तैनात था। पुंछ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजीव पांडे ने कहा, हथियार खोने के कारण हमने कांस्टेबल को निलंबित कर दिया है और उसे हिरासत में ले लिया गया है। इस बारे में जांच के आदेश दे दिये गए हैं और सीमावर्ती जिले के चारों ओर अलर्ट जारी कर दिया गया है।

केरल में तबाही का मंजर, नासा ने जारी की बाढ़ के पहले और बाद की तस्वीर

तिरुवनंतपुरम। बाढ़ की मार झेल चुके केरल में जिंदगी धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है। अब राज्य में घरों और सड़कों पर जमा हुए गाद और मलबे को हटाने पर काम हो रहा है। केरल में अब तक 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। भले ही राज्य में जनजीवन सामान्य हो जाएं लेकिन बाढ़ से लोगों को जो जख्म मिले हैं वो शायद ही कभी भर पाएंगे। वहीं अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा ने केरल बाढ़ की कुछ तस्वीरें जारी की हैं। नासा के मुताबिक बांध से छोड़े गए पानी ने बाढ़ को और भीषण रूप दे दिया। नासा ने दो तस्वीरे जारी की हैं एक बाढ़ से पहले की और एक बाद की। 6 फरवरी 2018 को ली गई तस्वीर में केरल के वेमबानद लेक, अलप्पुझा, कोट्टायम, चंगासेरी और थिरुवला के बांधों में बांधों में पानी जमा होता दिखाई दे रहा है जबकि 22 अगस्त 2018 को ली गई तस्वीर में पानी का सैलाब पूरे केरल पर नजर आ रहा है। नासा के वैज्ञानिकों का कहना है कि बांध का पानी काफी देरी से छोड़ा गया, जब इसे छोड़ा गया तब राज्य में बारिश हो रही थी। केरल में बारिश 20 जुलाई से शुरू हुई और उसके बाद बांध का पानी छोड़ा गया जिसके बाद 8 अगस्त को बाढ़ आई। एक तरफ बांध का पानी और दूसरी तरफ तेज बारिश ने राज्य बाढ़ को भीषण रूप दे दिया। बारिश के चलते इडुक्की के 35 गेट एक साथ खोलने पड़े थे। वहीं सीएम पिनराई विजयन ने कहा कि वे अब नया केरल बसाएंगे और उम्मीद है केंद्र सरकार उनकी मदद करेगी।

संपादकीय

राफेल सौदे का सच

राफेल विमान सौदे को लेकर कांग्रेस के तेवर जिस तरह तीखे होते जा रहे हैं उससे यही जाहिर हो रहा है कि उसे इस मसले से राजनीतिक लाभ मिलने की भरपूर संभावना नजर आने लगी है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर कितना गंभीर है, इसका पता इससे चलता है कि वह आए दिन अपने किसी नेता को सरकार को घेरने के लिए उतार रही है। इसके अतिरिक्त वह सीधे प्रधानमंत्री पर निशाना साधने के साथ ही इस मसले को आम जनता के बीच भी ले जा रही है। कांग्रेस मोदी सरकार के साथ उद्योगपति अनिल अंबानी पर भी अपने हमले तेज कर रही है। जहां अनिल अंबानी कांग्रेस को जवाब देने और उसे नोटिस भेजने में लगे हुए हैं वहीं सरकार यह कहने तक सीमित है कि इस सौदे में कोई गड़बड़ी नहीं और सारे आरोपों का जवाब दिया जा चुका है। इसमें संदेह है कि केवल इतने से बात बनेगी। यदि इस सौदे में कहीं कोई खामी नहीं तो फिर सरकार के रक्षात्मक नजर आने का क्या मतलब? ध्यान रहे कि कांग्रेस अब यह भी प्रचारित कर रही है कि सरकार उसके सवालों का जवाब देने से इन्कार कर रही है। वह प्रधानमंत्री के साथ मौजूदा एवं पूर्व रक्षामंत्री को भी कठघरे में खड़ा कर रही है। सरकार को इस कठघरे से बाहर आने का कोई उपाय खोजना ही होगा। निःसंदेह 36 राफेल लड़ाकू विमानों का सौदा गोपनीयता के प्रावधान से लैस है, लेकिन इसके बाद भी ऐसी कुछ जानकारी तो सामने रखी ही जा सकती है जिससे यह साबित हो सके कि इस सौदे को लेकरउठाए जा रहे सवाल दरअसल दुष्प्रचार का हिस्सा हैं। इसके लिए जरूरत हो तो फ्रांस सरकार से अनुमति ली जानी चाहिए। एक अन्य तरीका यह हो सकता है कि सीमित गोपनीय जानकारी उन विपक्षी नेताओं को व्यक्तिगत तौर पर उपलब्ध करा दी जाए जो इस सौदे पर सवाल उठाने में लगे हुए हैं। 1सरकार के रणनीतिकारों को इससे अच्छी तरह परिचित होना चाहिए कि भ्रष्टाचार और खासकर रक्षा सौदों में गड़बड़ी के मसले आम जनता पर असर करते हैं। उन्हें इसका भी भान होना चाहिए कि चुनावी साल में सरकार यह जोखिम नहीं ले सकती कि जनता के मन में किसी तरह का संशय पैदा हो जाए। राफेल सौदे पर एक ओर जहां सरकार को सक्रियता दिखाने की जरूरत है वहीं विपक्ष और खासकर कांग्रेस को भी यह स्पष्ट करने की जरूरत है कि अगर मनमोहन सरकार के समय नाभिकीय हमले में सक्षम एक राफेल विमान की कीमत वास्तव में 540 करोड़ रुपये थी तो फिर उसने यह सौदा किया क्यों नहीं? उसे यह भी बताना होगा कि विमान निर्माता कंपनी इस कीमत पर विमान देने के लिए तैयार थी या नहीं? उसे यह भी अहसास होना चाहिए कि वह इस सवाल से दो-चार हो रही है कि अगर उसके पास राफेल सौदे में गड़बड़ी के प्रमाण हैं तो फिर वह अदालत क्यों नहीं जाती? कांग्रेस की मानें तो उसे अनिल अंबानी की नोटिस की परवाह नहीं, लेकिन आखिर वह अदालती प्रक्रिया का पालन करने को तैयार है या नहीं? आखिर नोटिस को हवा में उड़ाने का क्या मतलब?

खीर बनेगी या खिचड़ी!

बिहार-2019/ ओमप्रकाश अश्क

> जबकि महागठबंधन में फिलहाल सीएम पद की कोई वैकेंसी नहीं है। अलबत्ता, उन्होंने यह जरूर कहा कि कुशवाहा महागठबंधन में आते हैं तो उनका स्वागत है, पर उन्हें जल्दी आना होगा। दो नावों की सवारी करना उनके लिए ही घातक होगा। गाहे-बगाहे रामविलास पासवान की पार्टी और राजग की घटक लोजपा भी अपने तेवर दिखाती रही है। हाल तक एससी-एसटी एक्ट के बहाने लोजपा एनडीए के बड़े घटक दल भाजपा से सीटों के बंटवारे के मुद्दे पर इसी बहाने बारगेन के मूड में थी, लेकिन केंद्र ने उसके मंसूबे पर पानी फेर दिया। उसे दलितों से जुड़े इस मुद्दे पर 9 अगस्त को प्रस्तावित ''भारत बंद' के बहाने दलितों में पैठ बनाने की मुहिम में मुंह की खानी पड़ी है।

रालोसपा प्रमुख और फिलवक्त केंद्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा के खीर वाले बयान के बाद बिहार की राजनीति में घमासान का बीजारोपण हो गया है। खासकर बिहार एनडीए में। कुशवाहा ने बयान दिया कि यदुवंशियों का दूध, कुशवंशियों का चावल, दलित-पिछड़ों का पंचमेवा और सवर्णो का तुलसी दल मिल जाए तो बड़ी स्वादिष्ट खीर बन सकती है। इस बयान को अपने ट्वीट से आगे बढ़ाया बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने। उन्होंने कहा कि इस खीर में पौष्टिकता भी होगी। बिहार में दो ध्रुवीय चुनाव की दिशा में इसे शुरु आती कदम के रूप में देखा जा रहा है।कुशवाहा के बयान और तेजस्वी के ट्वीट को नई तरह की खीर पकाने की राजनीति बतौर देखा जा रहा है। इसका सीधा मतलब राजद, रालोसपा और हम का एक मंच पर जुटान की कवायद है। राम विलास पासवान और उनके बेटे भी समय-समय पर कई बार तल्ख तेवर का एहसास कराते रहे हैं। कांग्रेस तो पहले से ही महागठबंधन के साथ है। कुशवाहा एनडीए में रहते हुए भी समय-समय पर अपनी ही सरकार को कठघरे में खड़ा करते रहे हैं। कभी शिक्षा के सवाल पर तो कभी दूसरी नीतियों को लेकर। नीतीश कुमार से उनकी अदावत तो जगजाहिर है। हालांकि उपेन्द्र कुशवाहा ने अगले दिन सफाई दी कि उनके बयान का आशय सामाजिक समरसता से था, जिसमें यादव, कुशवाहा, दलित-पिछड़े और अगड़ों को साथ लाने की बात थी। और उनकी पार्टी रालोसपा की यह पूरी कवायद एनडीए को मजबूती प्रदान करने के लिए है। लेकिन उनके बयान पर राजद ने जितनी आत्मीयता दिखाई, उससे इतना संकेत तो जरूर मिलता है कि खीर बनाने से पहले सियासत की खिचड़ी पक रही है। यह अलग बात है कि कुशवाहा ने एनडीए में बने रहने के लिए सफाई दी, लेकिन राजद के वरिष्ठ नेता रघुवंश प्रसाद सिंह का साफ कहना है कि भाजपा की डूबती नाव पर कोई साथी अब सवारी करना नहीं चाहता। तेलुगुदेशम के चंद्रबाबू नायडू ने पहले ही पल्ला झाड़ लिया। शिवसेना ने भी कन्नी काट लिया। राम विलास पासवान और उपेन्द्र कुशवाहा भी घुटन महसूस कर रहे हैं। जल्द ही वे भी किनारे हो जाएंगे। ऐसे में महागठबंधन मजबूत होता। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अल्पेश ठाकौर ने भी कहा है कि कांग्रेस बिहार में गुजरात को दोहराना चाहती है। यानी 2019 के लिए विपक्षी मुहिम रंग दिखाने लगी है। अब बिहार की राजनीति की सियासी गोलबंदी से इतर इस पूरे प्रकरण को समझने की कोशिश करते हैं। अभी और वर्षो से बिहार में सरकार चला रहे नीतीश कुमार का एजेंडा भले विकास का है, लेकिन जातीय राजनीति के वह भी माहिर खिलाड़ी हैं। फिलहाल राजनीति की बदल रही हवा का एहसास उन्हें भी है। देश के मौजूदा माहौल में भाजपा या सीधे कहें तो नरेन्द्र मोदी से खफा चल रहे मुस्लिमों का वोट नीतीश अब तक इसलिए पाते रहे हैं कि उन्होंने मोदी का हमेशा विरोध किया। अब वह मोदी से गलबहियां डाले हुए हैं। जाहिर है कि मुस्लिम वोटर उनसे किनारा करना चाहते हैं। अररिया उपचुनाव में मुसलिम वोटरों ने इसका संकेत भी दे दिया था। दलित वोट झटकने के लिए उनके टोटके में मुस्लिमों के पसमांदा और सवर्ण की तरह दलित और महादलित कार्ड पिछले चुनावों तक कारगर रहे हैं। इस बार भी नीतीश उन्हें साधने में लगे हैं। इसके लिए एसस-एसटी के बच्चों के लिए उन्होंने सरकारी सहायता की झोली खोल दी है। अब सवाल उठता है कि नीतीश क्या इस बार भी दलित और मुस्लिम वोट बटोरने में कामयाब हो पाएंगे? यह सवाल उठना इसलिए वाजिब है कि मोदी और अमित शाह से खार खाए मुसलमान क्या उनके साथ (मोदी-अमित शाह) गलबहियां डाले नीतीश पर भरोसा करेंगे? वैसे समय-समय पर अपने बयान और आचरण से नीतीश ने मुसलमानों में अपने प्रति भरोसा जगाने की कोशिश में कोई कोताही नहीं की है। हाल ही में उन्होंने कहा कि क्राइम, कम्युनिलज्म से वह किसी तरह का समझौता नहीं करेंगे। मोदी की महत्त्वाकांक्षी योजना ''योग दिवस' पर कार्यक्रमों में नीतीश न उसमें शामिल हुए और न उनके दल का कोई नेता। वह इफ्तार पार्टियों में जरूर जाते रहे और नमाजियों की तरह टोपी भी धारण की। जहां तक दलित वोटों का सवाल है तो यह सभी जानते हैं कि नीतीश अब इनके लिए जितना भी करें, पर इनके वोटों के दो दिग्गज ठेकेदार रामविलास पासवान और जीतनराम मांझी भी अब खुल कर इनके हकदार हैं। मांझी तो अभी राजद से सटकर कुशवाहा के अंदाजे बयां में पंचमेवा बने हुए हैं। पासवान के बारे में रघुवंश प्रसाद सिंह ने दावा कर दिया है कि वह भी साथ आएंगे। हालांकि मांझी ने भी साफ किया है कि कुशवाहा मुख्यमंत्री बनने के लिए लालायित हैं, जबकि महागठबंधन में फिलहाल सीएम पद की कोई वैकेंसी नहीं है। अलबत्ता, उन्होंने यह जरूर कहा कि कुशवाहा महागठबंधन में आते हैं तो उनका स्वागत है, पर उन्हें जल्दी आना होगा। दो नावों की सवारी करना उनके लिए ही घातक होगा। गाहे-बगाहे रामविलास पासवान की पार्टी और राजग की घटक लोजपा भी अपने तेवर दिखाती रही है। हाल तक एससी-एसटी एक्ट के बहाने लोजपा एनडीए के बड़े घटक दल भाजपा से सीटों के बंटवारे के मुद्दे पर इसी बहाने बारगेन के मूड में थी, लेकिन केंद्र ने उसके मंसूबे पर पानी फेर दिया। उसे दलितों से जुड़े इस मुद्दे पर 9 अगस्त को प्रस्तावित ''भारत बंद' के बहाने दलितों में पैठ बनाने की मुहिम में मुंह की खानी पड़ी है। लोक सभा का चुनाव देशभर में होना है, लेकिन सर्वाधिक घमासान बिहार में मचा है। कहीं गठबंधन बनाने के लिए पाक-नापाक और मेल-बेमेल कोशिशें हो रही हैं तो कहीं एकला चलो की तैयारी भी दिख रही है। फिलवक्त बिहार में लोक सभा चुनाव के दो ही प्रत्यक्ष ध्रुव-जदयू, भाजपा, लोजपा व रालोसपा को मिला कर राजग और राजद, कांग्रेस, वाम समेत अन्य विपक्षी दलों का महागठबंधन। लेकिन चुनाव तक कौन किस खेमे में रहेगा या जाएगा, इसके संकेत साफ समझे जा सकते हैं। महागठबंधन की कोशिश है कि पासवान और मांझी को किसी तरह साथ लेकर दलित वोटों का ध्रुवीकरण किया जाए। मुस्लिम और यादव वोट तो एनडीए को मिलने से रहे। अगर दलित, मुस्लिम, पिछड़ी जातियों के वोट एकजुट हो गए तो भाजपा को 2015 के विधानसभा चुनाव की तरह 2019 में पछाड़ना मुश्किल नहीं होगा; क्योंकि इनकी कुल आबादी लगभग 83 प्रतिशत है। अकेले मुस्लिम और यादवों की संख्या ही 30 प्रतिशत है। बिहार का जैसा मिजाज है, उसके हिसाब से यह मान कर चलना होगा कि जाति के सहारे ही 2019 की जंग लड़ी जाएगी।

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यो में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखत व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

जानकारियों से भरे खजाने हैं सरकारी गजेटियर

विवेक देवरॉय

भारत में सबसे पुराना कानून कौन है? कई पुराने कानूनों को खत्म किया जा चुका है। फिर भी भारत में मौजूद सबसे पुराना कानून 1836 का है। बंगाल जिला अधिनियम के तौर पर चर्चित इस कानून में महज एक पंक्ति ही है। इस कानून के मुताबिक 'पश्चिम बंगाल के किसी भी हिस्से में नए जिलों के गठन की शक्ति राज्य सरकार के पास होगी। नए जिले बनाने के लिए सरकारी गजट में अधिसूचना जारी करनी होगी।' हालांकि इस कानून का यह मौलिक आख्यान न होकर मौजूदा स्वरूप है। इस कानून में 1874, 1903, 1920, 1948 और 1950 में संशोधन किए गए। सवाल उठता है कि जब पुराने कानूनों को समाप्त किया जा रहा है तो फिर यह कानून अभी तक क्यों चला आ रहा है? इसका ताल्लुक संविधान के अनुच्छेद 372(1) के तहत केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच किए गए शक्ति विभाजन से है। अगर बंगाल जिला अधिनियम को खत्म किया जाना है तो वह पश्चिम बंगाल की विधानसभा ही कर सकती है, देश की संसद नहीं। संभवतः नए जिलों के गठन के लिए ऐसे कानून की जरूरत है तभी तो बांग्लादेश ने इस कानून को अपने यहां अब भी लागू किया हुआ है? लेकिन मुझे इस तर्क पर संदेह है और अधिक संभावना यही लगती है कि निष्क्रियता के चलते ऐसा है। राज्यों के पास भूमि राजस्व कानून के तहत नए जिलों एवं अनुमंडलों के गठन की समुचित शक्ति है। ऐतिहासिक रूप से यह निष्क्रियता अविभाजित बंगाल में बने भूमि राजस्व नियमों से उपजी है। राज्यों के पास जिलों के गठन की शक्ति होने से जिलों की संख्या लगातार बदलती रहती है। वर्ष 2001 की जनगणना में देश में 593 जिले थे लेकिन 2011 की जनगणना में यह संख्या बढ़कर 640 हो गई थी। वर्तमान में इनकी संख्या 700 को भी पार कर चुकी है। विकास के किसी भी पैमाने से देखें तो इनमें से कुछ जिले विकसित हैं जबकि कुछ जिले मूल सुविधाओं से भी वंचित हैं। अभी आकांक्षी जिला कार्यक्रम चल रहा है जिसमें मार्च 2018 को आधार मानते हुए 115 पिछड़े जिलों का विकास किया जाना है। इस तरह का निर्धारण नया नहीं है। वर्ष 2003 में लवीश भंडारी के साथ मैंने एक पुस्तक 'नई सहस्राब्दी में जिला-स्तरीय वंचना' का संपादन किया था। शंकर अय्यर ने इस तरह के निर्धारण के इतिहास पर एक शोध पत्र भी लिखा था। उनका कहना था कि अब तक 11 समितियों ने पिछड़े जिलों के निर्धारण का काम किया है। इनके अलावा पिछड़े जिलों की कुछ तदर्थ सूचियां भी बनी थीं। भले ही इन सूचियों में भिन्नताएं थीं लेकिन सभी सूचियों में कुछ जिले समान थे जो स्वतंत्रता के बाद से ही पिछड़े और आकांक्षी बने हुए हैं। जब हम राज्यों के बीच असमानताओं के बारे में सोचते हैं तो कई बार उसकी वजह बड़े राज्यों के भीतर की अंदरूनी असमानता भी होती है। बड़े राज्य अमूमन अधिक विविधताओं वाले होते हैं। पीछे छूट चुके जिले छोटे राज्यों की तुलना में बड़े राज्यों के विकास की रफ्तार को अधिक प्रभावित करते रहे हैं। राज्यों का सीमांकन ऐतिहासिक एवं प्रशासनिक कारणों से हुआ था और वे विकास एवं वंचना की परिसीमा का सम्यक अनुसरण नहीं करते हैं। हमें राज्यों से परे जिलों पर ध्यान देने की जरूरत है। आधे जिले औसत से थोड़ा बेहतर स्थिति में हैं (अगर मैंने यह कहा होता कि आधे जिले औसत से नीचे हैं तो लोग नाराज हो जाते)। जिलों को समझने के लिए जिला गजेटियर सूचना के भंडार हैं। गजेटियर में अत्यधिक महत्त्व की सूचनाएं होती हैं। उनकी महत्ता इसी से समझी जा सकती है कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा में 28 अप्रैल, 1965 को दिए गए अपने भाषण में कच्छ के रण को भारत का हिस्सा बताने के लिए विभिन्न गजेटियर से प्राप्त सूचनाओं का जिक्र किया था। लिहाजा गजेटियर चाहे वे जिला, राज्य या केंद्र के हों, असल में राष्ट्रीय पूंजी हैं। इसमें शोध की भी काफी गुंजाइश है। स्वीडन स्थित अंतरराष्ट्रीय दस्तावेजी केंद्र ने इस तरफ इशारा करते हुए कहा है, 'भारतीय गजेटियर भारत के इतिहास एवं संस्कृति से जुड़े सभी अध्ययनों के लिए सूचना का जरूरी स्रोत होने के साथ ही शोध सामग्री के अतुलनीय संग्रह हैं।' रायबरेली जिला गजेटियर की वेबसाइट पर कहा गया है कि 'कुछ देशों के दस्तावेज संकलन केंद्रों ने नए एवं पुराने गजट की समूची शृंखला की माइक्रोफिल्म बनाने पर बड़ी धनराशि खर्च की है। अब इस बात को दूसरे देशों में भी स्वीकार किया जा रहा है।' मुझे हमेशा इस बात पर ताज्जुब हुआ है कि अधिक जिलों ने अपने गजेटियर क्यों नहीं तैयार किए हैं? ये तो जानकारी के खजाने हैं। कुछ जिलों के गजेटियर पुराने हैं तो कुछ नए बनाए गए हैं। 'पुराना' होने का मतलब यह है कि ये गजेटियर उपनिवेश काल में 1870 के बाद से शुरू होकर 1930 तक के हैं। वहीं 'नये' गजट का मतलब है कि उन्हें आजादी के बाद आकार दिया गया। महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे कुछ राज्यों ने आजादी के बाद भी गजेटियर के नए संस्करणों का प्रकाशन शुरू किया था। गजेटियर के प्रकाशन को 1957 में राष्ट्रीय परियोजना के तौर पर शुरू किया गया। सभी राज्यों को अपने गजट प्रकाशित करने थे और उनके पास गजेटियर विभाग भी होने चाहिए थे। पहली बात तो पूरी तरह सच है लेकिन दूसरी बात नहीं क्योंकि कुछ राज्यों में ही गजेटियर विभाग मौजूद हैं। अधिकतर लोग इससे सहमत होंगे कि ब्रिटिश सूचनाओं के अंकन में शानदार थे और मेरी निजी राय है कि औपनिवेशिक काल के पुराने गजेटियर की गुणवत्ता नए गजेटियर से बेहतर थी। मैं सभी राज्यों के पुराने गजेटियर नहीं हासिल कर पाया हूं। लेकिन कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, मध्य प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र और पंजाब के गजेटियर मुझे मिले हैं। मुझे नहीं लगता है कि मेरे पास मौजूद गजेटियर भी अपने आप में पूर्ण हैं लेकिन अपने स्तंभों में साझा करने लायक पर्याप्त जानकारियां उनमें भरी पड़ी हैं। ऐसी ही एक जानकारी विलुप्त हो चुकी सरस्वती नदी से संबंधित है। 'कहा जाता है कि यमुना पहले पुरानी सरस्वती नदी के अपवाह मार्ग पर ही प्रवाहित होती थी और घग्गर नदी की एक सहायक नदी होती थी। घग्गर अपने आप में एक सशक्त एवं स्वतंत्र नदी प्रणाली थी जिसकी धारा हकरा (पुरानी सरस्वती) नदी की तलहटी से बहती थी। अनजान कारणों से यमुना-सतलज जल-विभाजक का स्तर ऊंचा हो गया जिससे इस नदी प्रणाली में विभाजन हो गया। यमुना पूर्व दिशा की ओर मुड़ गई जबकि घग्गर नदी प्रणाली की सहायक नदी सतलज का प्रवाह पश्चिम की ओर होने लगा।' इतिहास में रुचि रखने वाले लोग इस तरह की धारणा से परिचित हैं। मुझे यह काफी रोमांचित लगा कि 1883-84 के रोहतक के गजेटियर में इसका जिक्र है।

विचार मंथन

घरेलू राजनीतिक मतभेदों को विश्व मंच पर उठाने की भूल

विनोद शर्मा, राजनीतिक संपादक

विदेश यात्रा के दौरान राहुल गांधी द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर लगातार किए जा रहे हमलों को देखकर पूर्व विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा ने पिछले हफ्ते एक ट्वीट किया। इस बागी भाजपा नेता ने कांग्रेस अध्यक्ष का नाम तो नहीं लिया, लेकिन उनकी सलाह को पढ़कर मजमून समझना किसी के लिए मुश्किल नहीं था। उनका ट्वीट था, 'मैं सभी नेताओं से अपील करना चाहता हूं कि वे विदेशों में घरेलू मुद्दों पर चर्चा करने से बचें। प्रधानमंत्री ने जरूर इस नियम को सबसे पहले तोड़ा है, मगर दूसरों को इसे दोहराने की जरूरत नहीं।' राहुल ने जर्मनी और ब्रिटेन में बोलते हुए प्रधानमंत्री, भाजपा और आरएसएस पर कहीं अधिक आक्रामक हमले किए। उन्होंने जहां आरएसएस और मुस्लिम ब्रदरहुड को (क्रमशः प्रखर हिंदू राष्ट्र और मुस्लिम उम्माह बनाने के स्पष्ट लक्ष्यों के कारण) एक धरातल पर रखा, वहीं प्रधानमंत्री पर देश को खतरे में डालने का आरोप भी लगाया। बहरहाल, किसी की गलती को इस आधार पर न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता कि उसके साथ पहले गलत हो चुका है। यह सही है कि इस कड़वे टकराव के लिए तलवारें तभी खिंच गईं थीं, जब 2014 में न्यूयॉर्क के मेडिसन स्क्वायर गार्डन में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कांग्रेस को बुरा-भला कहा था। घर के विरोधियों पर विदेश में हमला बोलना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छी छवि नहीं बनाता। यह एक अनुभवी राजनयिक का मानना है। इससे पहले मुख्य धारा की पार्टियों द्वारा घरेलू सियासी जंग को विदेशों में ले जाने के उदाहरण बहुत कम हैं। पुराने नेताओं के ऐसे प्रकरण शायद ही याद आते हैं, जिसमें उन्होंने विदेशी जमीन पर और विदेशी मेजबान के सामने इस तरह आरोप-प्रत्यारोप किए हों। 1980 के दशक के अंत में श्रीलंका में शांति सेना भेजने को यदि भूल जाएं, तो राजीव गांधी, पीवी नरसिंह राव, वीपी सिंह, इंद्र कुमार गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के शासनकाल में विदेश नीति को लेकर एक व्यापक सहमति रही। 1994 में तो नरसिंह राव द्वारा विपक्षी नेता अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में कश्मीर पर भारत का पक्ष रखने के लिए एक टीम को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग भेजना काफी बुद्धिमानी वाला कूटनीतिक कदम माना गया। अपने उद्देश्य में सफल होकर लौटी इस टीम में फारूक अब्दुल्ला और सलमान खुर्शीद जैसे नेता थे। उस समय इस्लामाबाद कश्मीर मसले का अंतरराष्ट्रीयकरण करने में जुटा था। पाकिस्तान की इस योजना को मात देने के लिए भारत ने जो पटकथा तैयार की, वह एक अध्ययन का विषय हो सकती है कि किस तरह मुश्किल हालात से लड़ने में राष्ट्रीय एकता काम आती है। तब पाकिस्तान की प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो ने अपने देशवासियों से कहा था कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग से कश्मीर प्रस्ताव चीन की सलाह पर वापस लिया गया है, (जबकि वास्तव में बीजिंग, नई दिल्ली को ही सुन रहा था, क्योंकि मानवाधिकारों पर पश्चिम के साथ उसके अपने मतभेद थे)। इस तरह के एक अन्य सेहतमंद मेलजोल का उदाहरण वह घटना है, जिसे खुद वीपी सिंह ने मुझे 1992 की अपनी पाकिस्तान यात्रा के दौरान बताया था। तब वह बेनजीर भुट्टो के आमंत्रण पर कराची में दक्षेस देशों के विपक्षी नेताओं की बैठक में भाग लेने गए थे। इसके बाद, उन्हें राष्ट्रपति गुलाम इशाक खान और प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के साथ मुलाकात करने के लिए पाकिस्तान सरकार का मेहमान भी बनना था। मगर सम्मेलन में जिस प्रस्ताव पर सहमति बनी, वह लोकतंत्र में 'सत्ता के समानांतर केंद्रों' को लेकर आलोचनात्मक था। इसे बेनजीर भुट्टो की सहमति से राष्ट्रपति इशाक खान पर परोक्ष हमले के रूप में देखा गया, नतीजतन मेजबान सरकार ने वीपी सिंह की यात्रा का आधिकारिक कार्यक्रम रद्द कर दिया। इसकी सूचना वीपी सिंह ने कराची से फोन करके दी। मेरा उनसे सवाल था, 'क्या नरसिंह राव के दबाव में ऐसा हुआ होगा?' उन्होंने ऐसी किसी बात से तुरंत इनकार किया और कहा, 'ऐसा कतई नहीं हो सकता... भारत की जमीन से बाहर हम सब एक हैं।' आज के नेताओं को इन सबसे सबक लेना चाहिए।

संक्षिप्त

स्कूल को मिला लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

बलरामपुर, नेशनल स्कूल अवार्ड के तहत नगर के सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंड्री स्कूल को शिक्षा के विकास के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया है। विद्यालय के निदेशक सुयश कुमार ने नई दिल्ली में अवार्ड प्राप्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. नितिन शर्मा ने बताया कि जिले में शिक्षा के क्षेत्र में लगातार अपना प्रदर्शन करने अग्रणी रहने के लिए स्कूल को यह पुरस्कार दिया गया है। निदेशक सुयश कुमार ने कहाकि कि दिल्ली में उपस्थित शिक्षाविदों के समक्ष शिक्षा प्रशिक्षण एवं अधिगम प्रणाली के नए तरीकों की जानकारी लेकर खुद को गौरवान्वित महसूस किया। कहाकि विद्यालय को यह उपलब्धि दिलाने में शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों व अभिभावकों का विशेषण योगदान रहा है। अचीवमेंट अवार्ड मिलने पर शिक्षक आशीष श्रीवास्तव, लईक अंसारी, डीएन शुक्ल ने हर्ष व्यक्त किया है।

३० वर्ष पुराने मामले में ४ को कारावास

मऊ, 30 साल पुराने मामले में सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लोकेश कुमार नागर ने मकान के बंटवारे की रंजिश को लेकर तथा एक राय होकर मारपीट करने के मामले में मंगलवार को सुनवाई करते हुए चार आरोपियों को एक राय होकर मारपीट करने तथा चोट पहुंचाने के मामले में तीन-तीन वर्ष के कारावास तथा कुल 5500 के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड जमा करने पर जमा की गई धनराशि में से 2500-2500 चोटिल को क्षतिपूर्ति के रूप में प्रदत्त किए जाने का आदेश दिया, जबकि घटना के तीन आरोपित पांचू, हरदेव तथा रजौति की दौरान मुकदमा मृत्यु हो जाने से अदालत ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा समाप्त कर दिया। घटना मधुबन थाना क्षेत्र के पकड़ी गांव की है।

९ लाख रुपए के गेंहू का गोलमाल

सिद्धार्थनगर, इन दिनों डुमरियागंज तहसील मुख्यालय पर स्थित उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम सुर्खियों में है। बताया जाता है कि इस गोदाम से करीब 498 क्विंटल गेहूं के बीज का कुछ अता-पता नहीं है। इसके अलावा छानस, मतलब महीन दाना का लगभग 91.88 क्विंटल गेहूं भी गोदाम से गायब है। सारे गेंहू की कीमत करीब 9 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। विभागीय सूत्रों की मानें तो पूर्व के निगम प्रभारी, भंडारक ने अधिकारियों की मिली भगत से उक्त गेहूं को गोलमाल करते हुए उसे मार्केट में बेच दिया और सारे धन को हड़प लिया गया।

मोटर साइकिल चोरी

महराजगंज, कोल्हुई थाना क्षेत्र के ग्राम अहिरौली निवासी प्रकाश नारायण द्विवेदी की मोटर साइकिल कोल्हुई के दुर्गा मंदिर गेट व सहारा बैंक के बगल से गायब हो गई। जब वह सहारा बैंक से काम काज निपटाकर नीचे आए तो देखा कि वहां से मोटर साइकिल गायब है। उनके द्वारा डायल 100 पर काल किया गया तो वह भी व्यस्त था। बाद में उन्होंने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग किया। इस बावत थानाध्यक्ष कोल्हुई उपेंद्र कुमार मिश्र ने बताया कि तहरीर मिली है, पुलिस कार्रवाई कर रही है।

घर में घुसकर दंपति को पीटा

लालगंज(प्रतापगढ़), लालगंज कोतवाली के धधुआगाजन बनपुकरा गांव में जमीन के विवाद को लेकर मंगलवार सुबह कुछ लोगों ने दंपति को मारपीट कर घायल कर दिया। घटना को लेकर पीड़ित ने डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों के विरुद्ध तहरीर दी। कोतवाली के गांव निवासी रामकृष्ण यादव पुत्र स्व. रामदास का कहना है कि जमीन के विवाद को लेकर गांव के करीब डेढ़ दर्जन लोग एक राय होकर लाठी डंडा लेकर सुबह उसके दरवाजे पर आ धमके और गाली देते हुए घर में घुसकर उसे व उसकी पत्नी को मारपीट कर घायल कर दिया। हल्ला गुहार मचाने पर जानलेवा धमकी देते हुए चले गए। लालगंज कोतवाल का कहना है कि घटना की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

रोडवेज बस में यात्री की मौत

बस्ती, परिवहन निगम की बस में एक यात्री की तबियत अचानक बिगड़ गई। चालक-परिचालक ने इसकी सूचना तत्काल कार्यालय को दी। इसी बीच डायल 100 की टीम मौके पर पहुंची और यात्री को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सुपुर्द कर दिया। दिवंगत की पहचान गया प्रसाद पुत्र उदयराज (६०) निवासी सोनखरी बांसी सिद्धार्थनगर के रूप में हुई है। कोतवाल एमपी चतुर्वेदी ने बताया कि जानकारी में पता चला कि गया प्रसाद रोडवेज बस से बांसी जा रहे थे, अचानक उनकी तबियत बिगड़ गई बाद में अस्पताल में मौत हो गई। परिजनों के पहुंचने पर पोस्टमार्टम कराया गया और शव उन्हें सौंप दिया गया है।

मार्ग दुर्घटना में पति की मौत, पत्नी घायल

महराजगंज, कोल्हुई थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर रूदलापुर के पास हुई मार्ग दुर्घटना में पति की मौत हो गई, जबकि पत्नी सुशीला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे लक्ष्मीपुर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग पर रूदलापुर के पास सड़क किनारे एक ट्रक खड़ी थी। नौतनवा की तरफ से पत्नी सुशीला को लेकर आ रहे करैला अजगरहा निवासी दिनेश बाइक लेकर ट्रक में घुस गए। टक्कर इतनी तेज थी कि दिनेश की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसकी पत्नी घायल होकर बेहोश पड़ी थी। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार मिश्र ने शव व ट्रक को कब्जे में ले लिया है। घायल महिला को लक्ष्मीपुर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

तालाब में डूबने से किशोर की मौत

सदहा (प्रतापगढ़), पट्टी कोतवाली थाना क्षेत्र के सदहा गांव निवासी मसाली के नाती राजभवन उर्फ कप्तान (१३) पुत्र जमुना प्रसाद निवासी मैनहा की तालाब में डूबने से मौत हो गई। वह कक्षा छह का छात्र था। राजभवन मंगलवार को दोपहर डाही गांव स्थित मुसहर बस्ती तालाब में दूसरे गांव के बच्चों के साथ नहाने गया था। तालाब अधिक गहरा होने के कारण निकल नहीं पाया और गहराई में डूब गया। यह देख उसके साथ रहे अन्य बच्चे भाग निकले।

राम के सहारे भाजपा की बनी सरकार सत्ता मिलते ही भूली नामः तोगड़िया

फैजाबाद, अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष व फायरब्राड नेता प्रवीण तोगड़िया ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को अटकाने का आरोप लगाते हुए केन्द्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राम मंदिर निर्माण के लिए वे स्वम विजयदशमी के बाद यानी २१ अक्टूबर को लखनऊ से अयोध्या कूच करेगें। तोगड़िया ने कहा कि राम के सहारे बीजेपी देश की सत्ता तक पहुंची। सत्ता पर काबिज होते ही राम और राम

मंदिर को भूल गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद भी नरेंद्र मोदी कभी अयोध्या नहीं आए। चार साल में केंद्र सरकार ने राम मंदिर पर कोई चर्चा तक नहीं की। अयोध्या में भव्य राममंदिर बनवाने के नाम पर हिंदुओं ने भाजपा को वोट देकर सिंहासन पर बैठाया, लेकिन भाजपा ने मुस्लिम महिलाओं के लिए कानून बना दिया और राममंदिर को भूल गई। तोगड़िया ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के आदोलन को लेकर २१ अक्टूबर को लखनऊ से अयोध्या कूच किया जाएगा।

पत्नी सीमा सिंह ने हाईकोर्ट से की मुन्ना बजरंगी हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग

इलाहाबाद, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बागपत कारागार में माफिया डान मुन्ना बजरंगी की हत्या की सीबीआई जांच की मांग में दाखिल याचिका पर राज्य सरकार से 17 सितंबर तक जवाब मांगा है। साथ ही पूछा है कि विवेचना की क्या प्रगति है। यह आदेश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा व न्यायमूर्ति डीके सिंह की खंडपीठ ने मुन्ना बजरंगी की पत्नी जौनपुर निवासी सीमा सिंह की याचिका पर दिया है। याचिका पर वरिष्ठ अधिवक्ता ओपी सिंह ने बहस की। मालूम हो कि पूर्व विधायक लोकेश दीक्षित ने 25 सितंबर, 2017 को रंगदारी की मांग करने का आरोप लगाते हुए बागपत में प्राथमिकी दर्ज कराई। इस पर सीजेएम बागपत ने 13 जून, 2018 को मुन्ना बजरंगी को पेशी पर लाए जाने का आदेश दिया, जबकि शीर्ष कोर्ट ने मुन्ना बजरंगी को झांसी जेल से कहीं अन्य शिफ्ट न करने को कहा था। सीजेएम के आदेश पर मुन्ना बजरंगी को झांसी जेल से तो ले जाया गया लेकिन, उसे बागपत की जेल में ले जाया गया। जहां पहले से निरुद्ध बंदी सुनील राठी ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। याची का कहना है कि राजनीतिक साजिश के तहत उसके पति की हत्या कराई गई है। मुन्ना बजरंगी पर गाजीपुर के भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की हत्या का भी आरोप था। याची का कहना है कि असलहा जेल में कैसे पहुंचा। जेलर ने ही प्राथमिकी दर्ज कराई है और पुलिस या मजिस्ट्रेटी जांच से निष्पक्षता की उम्मीद नहीं है। इसलिए हत्याकांड की सीबीआई से जांच करवाई जाए। कोर्ट ने विवेचना की स्थिति के विवरण के साथ राज्य सरकार को हलफनामा दाखिल करने का समय दिया है। सीबीआई के अधिवक्ता ज्ञान प्रकाश भी कोर्ट में मौजूद रहे। मामले की सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

संस्कृत विद्यालयों पर योगी सरकार मेहरबान

जौनपुर, सूबे की योगी सरकार संस्कृत विद्यालयों पर मेहरबान हो गई है। यह विद्यालय बिजली आदि संसाधन 18 वीं सदी के हैं। सुधार के नाम पर आज तक किसी सरकार ने इनकी तरफ ध्यान

अब 18 वीं नहीं 21 वीं सदी के संसाधनों से लैस विद्यालय होंगे। शासन द्वारा संसाधनों से संबंधित 18 बिंदुओं पर न सिर्फ रिपोर्ट मांगी गई है बल्कि समस्याओं के समाधान हेतु अनुमानित व्यय का ब्यौरा भी जल्द से जल्द देने को कहा गया है। जनपद में संस्कृत विद्यालयों की स्थिति लंबे समय से दयनीय है। छात्रों का रजिस्टर में प्रवेश लेकर पढ़ाई के नाम पर कागजी बाजीगरी की जाती है। जिले का शायद ही कोई ऐसा विद्यालय हो जहां माध्यमिक व उच्च शिक्षा ग्रहण करने छात्र आते हों। कई विद्यालय संसाधनविहीन हैं वहीं कई विद्यालय झोले में चल रहे हैं तो अधिकांश जर्जर हैं। इन विद्यालयों में भूमि, भवन, शौचालय, पेयजल, डेस्क-बेंच, नहीं दिया। यहीं कारण था कि इन विद्यालयों में पिछले एक दशक से लगातार छात्र संख्या कम होती जा रही है। संसाधनों की कमी से जूझ रहे इन विद्यालयों पर सूबे के योगी सरकार की नजर पड़ गई है। शासन द्वारा संस्कृत विद्यालयों में शौचालय की उपलब्धता, स्थिति, पेयजल की सुविधा, ओवर हेड टैंक, नलों द्वारा पानी की आपूर्ति, विद्यालय भवन, कक्ष, फर्श, खिड़की-दरवाजे फर्नीचर आदि संसाधनों का ब्यौरा मांगा गया है। इतना ही नहीं छात्र-छात्राओं को सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु अनुमानित लागत का आगणन करते हुए प्रबंधक व प्रधानाचार्य के संयुक्त हस्ताक्षर से आख्या निर्धारूप प्रारूप पर देने को कहा गया है।

नैनी जेल से उम्र कैद की सजा काट रहा कैदी फरार

इलाहाबाद, जिले के यमुना पार स्थित नैनी सेंट्रल जेल से एक कैदी आज फरार हो गया। वह भारतीय दंड संहिता की धारा ३०२ और ३७६ के तहत आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। नैनी सेंट्रल जेल के डीआईजी बी.आर. वर्मा ने पीटीआई भाषा को बताया कि फरार कैदी का नाम राजू बसोर है और उसकी उम्र ४० वर्ष है। वर्ष २००७ से नैनी जेल में बंद बसोर महोबा का रहने वाला है और उसे धारा ३०२ एवं ३७६ के तहत उम्रकैद की सजा मिली थी। उन्होंने कहा कि आज सुबह करीब ९ बजे अन्य कैदियों के साथ उसे खेत में श्रम के लिए ले जाया जा रहा था, तभी राजू बसोर मौका पाकर फरार हो गया। फरार कैदी की तलाश की जा रही है।

पिछड़ों को बहकाकर सत्ता पर काबिज है भाजपा-दयाराम प्रजापति

मऊ, समाजवादी पार्टी पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष दयाराम प्रजापति ने कहा कि भाजपा ने पिछड़ा वर्ग को बिखरा कर पूरा फायदा उठाया। भाजपा नेता पिछड़े, अति पिछड़ों को बरगलाने में सफल हो गए। जिसकी फितरत ने झूठ फरेब कर के केवल सत्ता पर काबिज होना मकसद है। वे किसी का भला क्या करेंगे। आज उन्हीं पिछड़ों के हितों पर कुठाराघात कर रहे हैं। वे यहां नगर पालिका कम्युनिटी हाल में सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जनपदीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम केवल एकजुट हो जाएं तो केवल 55 फीसद हम पिछड़ों का ही राज होगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव का कहना है की जिसकी जितनी हिस्सेदारी

उतनी उसकी भागीदारी; को समाजवादी पार्टी देगी। अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष धर्मप्रकाश यादव ने कहा कि यदि समाज हमारा हो और नेतृत्व करता उच्च वर्ग का हो तो हमारे बटोर का पूरा फायदा लेकर अपने मकसद में कामयाब होगा। सम्मेलन को पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष रामआसरे विश्वकर्मा, अनुसूचित जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष रामदुलार राजभर, पूर्व सांसद जगदीश कुशवाहा, लालता प्रसाद निषाद पूर्व विधायक, पीएन चौहान, सदस्य राष्ट्रीय कार्यकारिणी, अवधपाल चौधरी, लौटन राम निषाद, एमएलसी रामजतन राजभर, पूर्व विधायक बैजनाथ पासवान, रामधनी चौहान, अल्ताफ अंसारी, ममता चंद्रा, गुड्डू चौधरी, शैलेंद्र यादव साधु, पूर्व जिलाध्यक्ष शिवप्रसाद यादव पूर्व जिला अध्यक्ष, शोभा श्रीवास्तव महिला सभा जिलाध्यक्ष, रामधनी यादव आदि ने संबोधित किया।

पिता-पुत्र के सिर के पास विस्फोटक रखकर उड़ाया

वाराणसी, चिरईगांव के मिल्कोपुर गांव में बीती रात हत्या का हैरतअंगेज तरीका सामने आया। मुख्य मार्ग के किनारे अपने घर के बाहर सो रहे पिता-पुत्र के सिर के पास विस्फोटक लगाकर उड़ा दिया गया। पिता लालाजी यादव (४८) व पुत्र अजय यादव (२२) की विस्फोटक के जरिए हत्या की गई। आसपास के लोगों ने बताया कि सुबह जानकारी हुई। रात में तेज आवाज होने पर सभी ने वाहन का टायर फटने की आवाज जाना था वहीं पुलिस के अनुसार मौके पर दिख रहे तार देख कर लग रहा है कि विस्फोट के लिए खदान में प्रयोग किये जाने वाले जिलेटिन व डेटोनेटर का प्रयोग किया गया है। पिता-पुत्र दोनों करीब 10 मीटर की दूरी पर सोए थे। घटना रात 12 बजे के बाद कि बताई जा रही है। विस्फोटक के जरिए हुई इस हत्या में दोनों के सिर के लोथड़े 30-35 मीटर दूर पड़े हैं। मौके पर भारी फोर्स और लोगों की भीड़ के चलते पहाड़िया-बलुआ मार्ग पर जाम लग गया है।

जगत नारायण तिवारी बने अध्यक्ष, बृजेश यादव महामंत्री

जौनपुर, कलेक्ट्रेट अधिवक्ता समिति का चुनाव मंगलवार को संपन्न हुआ जिसमें अध्यक्ष पद पर जगत नारायण तिवारी 277 मत पाकर अध्यक्ष बने। घनश्याम सिंह 260 मत मत पाकर दूसरे स्थान पर रहे। अध्यक्ष पद पर कांटे की टक्कर रही। महामंत्री पद पर बृजेश कुमार यादव 349 मत पाकर महामंत्री पद पर चुने गए। दूसरे स्थान पर संजय कुमार सिंह ने 155 मत प्राप्त किए। सैय्यद नजर हसन ने 327 मत प्राप्त कर उपाध्यक्ष पद पर चयनित हुए। दूसरे स्थान पर शिव गोविंद लाल ने 255 मत प्राप्त किए। संयुक्त मंत्री पद पर राजेश यादव 306 मत प्राप्त कर विजई रहे। शैलेंद्र विक्रम सिंह ने 283 मत प्राप्त किए। रामआसरे पाल 259 मत पाकर लेखा निरीक्षक पद पर विजयी रहे। रमेश चंद साहनी को 248 मत मिले। शिव नारायण मिश्र 296 मत पाकर कोषाध्यक्ष चुने गए। बाबूराम चौहान को 291 मत मिले। वरिष्ठ सदस्य पद पर अभिनव सिंह, सुरेंद्र कुमार यादव, राजकुमार निषाद, शेषमणि शुक्ला एवं कनिष्ठ सदस्य पद पर शेषमणि मौर्य, प्रेम जीत सिंह, उमानाथ यादव, नृपेंद्र यादव, अरुण कुमार यादव, विद्या देवी, सुधाकर प्रजापति चयनित हुए। मुख्य चुनाव अधिकारी सुरेंद्र बहादुर सिंह, सहायक चुनाव अधिकारी छोटेलाल मौर्य, राजेंद्र प्रजापति, संतोष कुमार श्रीवास्तव ने चुनाव संपन्न कराया। चुनाव अधिकारी ने बताया कि कुल 606 मतदाता हैं जिनमें 591 ने अपने मत का प्रयोग किया। मतदान प्रातः 10:00 से 3:00 बजे तक हुआ। 3:30 बजे से मतगणना अंतिम परिणाम घोषित होने तक चली।

सर्पदंश से किशोर की मौत

पुरखास (कौशांबी), सरायअकिल थाना क्षेत्र के भगवानपुर बहुगरा गांव में मंगलवार की भोर सोते समय किशोर के पैर में सांप काट लिया। हालत बिगड़ने पर उसे निजी अस्पताल ले जाया गया लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो चुकी थी। मामले की सूचना पुलिस को दिए बिना मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

जहरीला पानी पीने से ८ गायों ने तोड़ा दम

रसड़ा (बलिया), रसड़ा-कासिमाबाद मार्ग के बढ़ुबांध कोप चट्टी के समीप सड़क के किनारे गड्ढे में एकत्रित जहरीला पानी पीने से मंगलवार सुबह आठ गायों ने दम तोड़ दिया। वहीं अन्य बीमार गायों का इलाज किया जा रहा है। सूचना पाकर तहसीलदार शिवधर चौरसिया, प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेश्वर मिश्रा सहित पशु चिकित्सक की टीम भी मौके पर पहुंच गई। सोमवार की रात गाजीपुर से रसड़ा आ रहा यूरिया की 550 बोरियों से लदा ट्रक अचानक असंतुलित होकर गड्ढे में चला गया था। इसमें यूरिया की कई बोरियां पानी में गिर गईं। यूरिया के घुलने से पानी दूषित हो गया था। मंगलवार की सुबह प्रतिदिन की भांति कोप निवासी नगीना यादव की लगभग दो दर्जन गायें चरने के लिए निकलीं। उसी दौरान कुछ गाय इसी गड्ढे में पानी पीने चली गईं। पानी पीते ही गायों के मुंह से झाग निकलने लगा और वे तड़पते हुए गिरने लगीं। देखते ही देखते आठ गायों ने वहीं दम तोड़ दिया। यह देख चरवाहों ने इसकी सूचना गांव वालों को दी तो भारी संख्या में लोग वहां एकत्रित हो गए। तत्काल इसकी सूचना पुलिस सहित पशु चिकित्साधिकारी के अतिरिक्त अन्य अधिकारियों को दी गई। इस बीच गांव वालों ने शेष गायों को वहां से हटा लिया। तब तक पशु चिकित्सा टीम भी वहां पहुंच गई और गायों के इलाज में जुट गई। जिला पंचायत सदस्य विजय शंकर यादव ने एसडीएम से संपर्क कर शासन से पशु पालकों को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है।

डीएम ने ४ अधिकारियों को दी चेतावनी

अमेठी, जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय समिति की समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान डीएम ने कर्तव्यों के निर्वाहन में हीलाहवाली व एक वर्ष की कार्य गुजारी न बता पाने पर चारों खाद्य सुरक्षाधिकारियों को कठोर चेतावनी जारी की है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में डीएम शकुंतला गौतम ने सभी खाद्य सुरक्षाधिकारियों को दूध का नमूना चेक करने के निर्देश दिये तथा पिछले साल में कितने नमूने भरे, कितने फेल हुए व कितनों के खिलाफ कार्रवाई की गई जानकारी ली। डीएम ने अभिहित अधिकारी धीरेंद्र प्रताप सिंह को पाक्षिक नक्शा प्लान बनवाने के लिए कहा। उन्होंने सभी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि दुकानदारों से अवैध वसूली न करें। जिलाधिकारी ने छोटे व पटरी दुकानदारों को भी परेशान न करने अधिकारियों को हिदायत दी।

एससी-एसटी एक्ट के मामले में सुप्रीम कोर्ट के साथ-अरविंद राजभर

कासिमाबाद (गाजीपुर), एससी-एसटी एक्ट को लेकर सुभासपा सुप्रीम कोर्ट के फैसले के

साथ है। यह कहना था राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव अरविंद राजभर का। वह सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की तरफ से बाराचवर के हुसैनाबाद पोखरे पर मंगलवार को पार्टी के दिवंगत कार्यकर्ता रामनगीना राजभर की शहादत दिवस के रूप में मनायी जा रही ग्यारहवीं पुण्यतिथि कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान अरविंद राजभर ने स्व. रामनगीना राजभर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आगे कहा कि रामनगीना राजभर जैसे कर्मठ और संघर्ष करने वाले कार्यकर्ताओं के बल पर पार्टी प्रदेश सरकार में भागीदार है। संगठन को मजबूत बनाते हुए पार्टी को बुलंदी पर ले जाकर ही रामनगीना राजभर को सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकती है। कार्यकर्ता इसमें जुट जाएं। अब समय आ गया है कि गरीब, किसान, मजदूर और नौजवानों के हक अधिकार की लड़ाई लड़ने वाले प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर के हाथों को मजबूत करने के अभियान का भागीदार बना जाए। आगामी लोकसभा चुनाव में अवसरवादी दलों को मुहतोड़ जबाब देने का कार्य सुभासपा करेगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सुभासपा जिलाध्यक्ष एवं मंत्री प्रतिनिधि मेजर रामजी राजभर, बुधिराज राजभर, डा. संतोष पांडेय, अमरनाथ पासवान, हृदयनरायण राजभर, डा. जयनाथ राजभर, छोटेलाल राजभर, सुभाष राजभर सिपाही, सालिक यादव, प्रदुम्न राजभर, हीरा यादव, जोगेंद्र राजभर आदि रहे।

टप्पेबाजों ने उड़ाए ७५ हजार

मोतिगरपुर (सुल्तानपुर), बीओबी बैंक के फ्रेंचाइजी संचालक की बाइक की डिग्गी से टप्पेबाजों ने 75 हजार की नकदी व लैपटाप उड़ा दिया। मामले की सूचना भुक्तभोगी ने कोतवाली में दी। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। मोतिगरपुर बीओबी बैंक से संचालित अमित जनसेवा केन्द्र खड़सरा के नाम से फ्रेंचाइजी मोतिगरपुर बाजार में स्थित है। तहरीर के मुताबिक मोतिगरपुर बाजार में स्थित फ्रेंचाइजी संचालक केंद्र बंद करके गांव के एक व्यक्ति के साथ घर जा रहा था। जब गांव के बाहर प्राथमिक विद्यालय के पास पहुंचे तो बाइक खड़ी कर दोनों शौच क्रिया को चले गए। इतने में एक बाइक पर सवार तीन लोग वहां पहुंचे और बाइक को धीमा कर एक व्यक्ति को नीचे उतारकर, पीड़ित के खड़ी बाइक पर रखा बैग जिसमें लैपटाप, फिंगर प्रिंटर, एटीम व 75000 नकद रुपया कुछ जरूरी कागजात थे लेकर चंपत हो गए। हल्ला गुहार मचाते हुए फ्रेंचाइजी संचालक ने टप्पेबाजों का पीछा किया पर वो भागने में कामयाब रहे। पीड़ित ने मामले की तहरीर मोतिगरपुर थाने में दी। थानाध्यक्ष शिवबालक ने बताया कि मामले में चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। अभियुक्तों की तलाश की जा रही है।

कमिश्नर ने किया जिपं. के नए भवन का लोकार्पण

फैजाबाद, कमिश्नर मनोज मिश्र के लोकार्पण के बाद जिला पंचायत भवन में कार्य शुरू हो गया। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कमिश्नर ने नवनिर्मित जिला पंचायत भवन एवं अटलबिहारी वाजपेयी को समर्पित मीटिंग हाल का लोकार्पण किया। यह मीटिंग हाल जिला पंचायत भवन का हिस्सा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्वेता सिंह ने की। कमिश्नर ने कहा कि मीटिंग हाल का नामकरण अटलबिहारी वाजपेयी के नाम पर करना उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। विधायक रामचंद्र यादव ने आधुनिक सुविधाओं से लैस जिला पंचायत भवन के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष को बधाई दी। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत के प्रयास को सराहा। जिप अध्यक्ष प्रतिनिधि विमल सिंह ने नए भवन में सहयोग के लिए सभी जिला पंचायत सदस्यों के प्रति आभार जताया। लोकार्पण के मौके पर पूर्व मंत्री अवधेशप्रसाद, विधायक रामचंद्र यादव, पूर्व विधायक जयशंकर पांडेय के अलावा जिलाधिकारी डा. अनिलकुमार, मुख्य विकास अधिकारी अक्षय त्रिपाठी, जिला स्तरीय अधिकारी एवं जिला पंचायत सदस्य मौजूद रहे।

गंडक नहर में बोलेरो गिरी, एक की मौत

कुशीनगर, जिले के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के शीतलापुर गांव के समीप एक बोलेरो अनियंत्रित होकर मुख्य पश्चिमी गंडक नहर में जा गिरी। इस दुर्घटना में बोलेरो सवार एक की मौत हो गई, जबकि दूसरे ने तैरकर अपनी जान बचाई। बोलेरो सवार दोनों एक फाइनेंस कंपनी में काम करते थे, विभागीय कार्य से दोनों क्षेत्र के गांव खैरटिया गए थे। खलीलाबाद के हरिहरपुर थाना क्षेत्र निवासी अभिषेक तिवारी (३२) व गोरखपुर के खोराबार थाना क्षेत्र के सिंघड़िया निवासी अरुण पांडेय एक फाइनेंस कंपनी में कार्य करते थे। कंपनी के काम से दोनों बोलेरो से गांव खैरटिया में स्थलीय निरीक्षण करने गए थे। वापस लौटते समय दोनों शीतलापुर गांव के समीप पहुंचे कि अचानक अनियंत्रित होकर बोलेरो गंडक नहर में जा गिरी। मनीष किसी तरह तैरकर बाहर निकले और शोर मचाने लगे। गाड़ी पलटता देख व शोर सुन आसपास के ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। कुछ युवकों ने नहर में कूदकर पानी में डूब रहे अरुण को बाहर निकाला। इधर, ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची 100 नंबर पुलिस दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोटवा ले गई। जहां चिकित्सकों ने अरुण को मृत घोषित कर दिया। अभिषेक का इलाज चल रहा है। थाना प्रभारी निर्भय कुमार सिंह ने कहा कि घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

काशी में जिला कांग्रेस सेवा दल ने किया प्रदर्शन, निकाली 'सीवर कलश यात्रा'

वाराणसी, बजबजाती नालियां, कूड़ों का अंबार, ध्वस्त नगरीय व्यवस्था। शायद यह अब बनारस की पहचान बन चुके हैं, जिन्हें सुधारने की इच्छाशक्ति न तो सरकारी तंत्र में दिखाई देती है और न ही नगर निगम में। इसके विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया। सिगरा स्थित भारत माता मंदिर परिसर से बुधवार को इन्हीं समस्याओं को लेकर जिला कांग्रेस सेवा दल ने 'सीवर कलश यात्रा' निकाली। यात्रा मेयर आवास पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा के मेयर माई धाम पहुंचने पर 'भव्य कूड़ा श्रृंगार' भी किया गया। नेतृत्व कर रहे जिलाध्यक्ष हरीश मिश्रा ने कहा कि तड़पकर मरने से बेहतर है कि संघर्ष करके मरा जाए। पूरे शहर में सीवर चोक है। गलियां बजबजा रहीं हैं। आए दिन डेंगू, मलेरिया, मस्तिष्क ज्वर आदि की चपेट में आकर लोग अस्पताल पहुंच रहे हैं। बावजूद इसके मेयर मृदुला जायसवाल की जन समस्याओं के प्रति गंभीरता नजर नहीं आती। पुरातन नगरी काशी में रोजाना हजारों दर्शनार्थियों-पर्यटकों का आना-जाना लगा रहता है। वहीं शहर में विकास के नाम पर सरकारी तंत्र सिर्फ खानापूर्ति कर रहा है। नागरिकों की असुविधओं से उन्हें कोई सरोकार नहीं। ऐसे में ध्वस्त जन सुविधाओं के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ संघर्ष के सिवा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। बनारस और बनारसियों को जिंदा रखने के लिए हमें सड़क पर उतरना ही होगा। यात्रा एवं श्रृंगार का संचालन कांग्रेस सेवा दल के महानगर अध्यक्ष जितेंद्र श्रीवास्तव ने किया। यात्रा में प्रिंस राय खगोलन, पूर्व उपाध्यक्ष छात्रसंघ-विद्यापीठ कुंवर विश्वनाथ, वर्तमान उपाध्यक्ष रोशन कुमार, विकास सिंह, मोहम्मद अब्बास, साकिर अली, कुंवर बबलू सिंह बिंद, आशीष केशरी, रंजीत सेठ, राकेश अग्रहरि टिन्नी, नंदू पांडेय आदि शामिल थे।

करंट से महिला की मौत

सिकंदरपुर (बलिया), थाना क्षेत्र के उसुरी गांव में मंगलवार की सुबह करंट की चपेट में आने से राजकुमारी (५५) की मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया है। राजकुमारी सुबह मवेशियों को खिलाने हेतु बाजरा काटने खेत में गईं थीं। बाजरा काटते समय खेत के ऊपर से गुजर रहा बिजली का 440 बोल्ट का अर्थिंग तार अचानक टूट कर उनके सिर पर गिर गया। इससे वह करंट की चपेट में आ गईं। जब तक लोग मदद के लिए पहुंचते उनकी मौत हो गई। आक्रोशित ग्रामीण सड़क जाम की तैयारी कर ही रहे थे कि उसी दौरान पुलिस का डायल 100 वाहन वहां पहुंच गया। प्रभारी पंचम यादव एवं हरिओम व सीपी सिंह ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर किसी तरह जाम लगाने से उन्हें रोका। इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेना चाहा तो ग्रामीण विरोध करने लगे। साथ ही मौके पर किसी सक्षम अधिकारी को बुलाने की जिद पर अड़ गए। ग्रामीणों का आरोप था कि जर्जर तार होने के कारण इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। इसके बाद भी विभाग चुप बैठा हुआ है। ग्रामीण मृतका के परिजनों को मुआवजा दिलाने की मांग कर रहे थे। पुलिस द्वारा प्रशासन और बिजली विभाग से आर्थिक सहायता दिलाने के आश्वासन पर ग्रामीणों ने शव को पुलिस को सौंपा।

8 मनपा आयुक्त संभालेंगे शहरी विकास प्राधिकरणों के अध्यक्ष का कार्यभार

सूरत। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य के आठ महानगरों के शहरी विकास प्राधिकरणों के अध्यक्ष के रूप में संबंधित महानगरों के आयुक्तों की नियुक्ति करने का निर्णय किया है। वर्तमान में ज्यादातर प्राधिकरणों के अध्यक्ष के रूप में संबंधित जिलों के कलक्टर कार्यभार संभाल रहे हैं।

मुख्यमंत्री के इस निर्णय में समाहित दृष्टिकोण के अनुसार जिला प्रशासन के प्रमुख के तौर पर कलक्टर अब राजस्व के कामकाज के साथ-साथ राज्य सरकार के अन्य जनहित के कार्यों तथा सेवा सेतु पर अधिक ध्यान दे सकें। मुख्यमंत्री के इस निर्णय के अनुसार अब से सूरत (सूडा),अहमदाबाद (औडा), वडोदरा (वूडा), राजकोट (रूडा), जामनगर (जाडा), भावनगर (बाडा), जूनागढ़ (जूडा) और गांधीनगर (गुडा) के शहरी विकास प्राधिकरणों के अध्यक्ष के रूप में इन महानगरों के मनपा आयुक्त कार्य करेंगे। राज्य में शहरी विकास से संबंधित कार्य में शहरी विकास विभाग और शहरी युनिसिपल प्राधिकरण के अध्यक्ष बने आयुक्तों के बीच सातत्य और समन्वय बनाने तथा विकास परक कार्यों एवं शहरी सुख-सुविधा में अधिक तेजी एवं गति लाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने शहरी विकास प्राधिकरणों में बतौर अध्यक्ष अब मनपा आयुक्तों की नियुक्ति करने का यह निर्णय किया है।

हीरा श्रमिक ने लगाई फांसी

सूरत। लिंबायत में परिवार के साथ रहनेवाले युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सात माह पहले तलाक होने से तनाव में आकर यह कदम उठाया।

लिंबायत पुलिस सूत्रों के अनुसार गोडादरा के खोडियार नगर में हरिश छगुलाल नेरकर (35) हीरा श्रमिक के तौर पर काम करता था। इस दौरान गत रात घर में पंखे के साथ दुपट्टा बांधकर फांसी लगायी।

पानी से भरी बाल्टी में गिरी 8 महीने की मासूम बच्ची की मौत

सूरत। शहर के पांडेसरा क्षेत्र में एक 8 महीने की बच्ची की पानी से भरी बाल्टी में गिरने से मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब बच्ची पलंग पर सो रही है। स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

रात्रि को सोते समय बच्चों का ध्यान नहीं रखने वाले दपंत्तियों की आंखें खोलने वाली घटना सूरत में घटी है। सूरत के पांडेसरा क्षेत्र के नागसेन नगर में दशरथ कुशवाहा अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनकी 8 महीने की मासूम बच्ची सुबह पलंग के निकट पानी से भरी बाल्टी में मृत अवस्था मिली। पलंग पर सो रही बच्ची पानी से भरी बाल्टी में गिर गई होगी और उसकी मौत हो गई। परिवार को सुबह नींद से जागने के बाद बच्ची की मौत का पता चला। घटना से परिवार में मातम पसर गया। घटना की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज मामले की जांच शुरू कर दी।

युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता राफेल मामले में प्रधानमंत्री आवास का करेंगे घेराव

सूरत। गुजरात प्रदेश युवा कांग्रेस के मीडिया कॉर्डिनेटर व प्रवक्ता शान खान ने जानकारी दी की र ाफेल लड़ाकू विमान की खरीद में बहुत बड़ा घोटाला हुआ हैं जिसके चलते देश की आम जनता में रोष का लावा दहक रहा है। जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए युवा कांग्रेस ने इस मुद्दे पर आरपार लड़ाई लड़ने की तैयारी दिखाई है। इसी कड़ी में गुरुवार को युवा कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता दिल्ली अखिल भारतीय कांग्रेस के मुख्यालय पर एकत्रित होकर प्रधानमंत्री आवास घेराव के लिए कुच करेंगे। शान खान ने अपने निवेदन में बताया कि यूपीए सरकार मे ंजो सौदा हुआ था उसके अनुसार एक जहाज की कीमत 526 करोड़ तय की गई थी। जो मोदी सरकार उसकी जहाज को 1670 करोड़ में क्यों खरीद रही है। प्रारंभिक प्रक्रिया से ही राफेल सौदे में वार्ता देश के लिए छ दसकों में रक्षा क्षेत्र में काम करने वाली सरकारी कंपनी एचएएल कर रही थी फिर यह ठेका एचएएल को न देकर एक निजी कंपनी रिलायंस जो कंपनी करार होने के 12-15 दिन पहले ही अस्तित्व में आई हो जिसके पास रक्षा क्षेत्र में काम करने का किसी भी प्रकार का अनुभव न हो उसे क्यों दे दिया जाता है।

राफेल मामले में सम्पूर्ण विपक्ष जेपीसी जांच की मांग कर रहा है तो उसे स्वीकार कर जेपीसी जांच क्यों नहीं कराई जा रही है। जहाज की खूबियों को गुप्त रखकर केवल उसकी कीमत सार्वजनिक करने में सरकार को क्या समस्या है।

चंद निजी उद्योग घरानों को लाभ पहुंचने के लिए मोदी सरकार नीति-नियमों को ताक पर रखकर देश की रक्षा और सूरक्षा से खिलवाड़ कर रही है।

भेस्तान आवास की महिला सहित दो ने की खुदकुशी

सूरत। भेस्तान आवास में मानिसिक अस्वस्थ्य महिला ने जहर गटक लिया वहीं भाठेना के युवक ने फांसी लगा ली।

खटोदरा पुलिस सूत्रों के अनुसार भाठेना के पंचशीलनगर निवासी जगदीश अन्ना उर्फ आनंदा राठी (26) ने गतरोज शाम मां के घर के बाहर ओटले पर बैठा था। तभी लोहे के एंगल के साथ साड़ी बांधकर फांसी लगायी। वह मोचीकाम करता था। माता के साथ रहता था और मां के साथ रहता था। उसकी बहन और भाई वतन में रहते थे।

भेस्तान आवास में रहनेवाली नसीमबी बादशाह कुरेशी (40) ने गत शाम को घर में जहरीली दवा गटक ली। उसे उल्टियां होने से उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया। वहां उपचार दौरान उसकी मौत हो गई। कुछ समय से मानसिक स्थिति अच्छी नहीं थी।

आज सुनवाई शुरू की जाए ऐसी संभावना

हार्दिक के उपवास में प्रशासन, पुलिस अत्याचार के विरूद्ध अर्जी

हार्दिक को पुलिस द्वारा नजरकैद किया गया है और उपवास के स्थल पर जीवनजरूरी चीजवस्तु भी नहीं लेने जाते हैं

अहमदाबाद । पाटीदारों को आरक्षण और राज्य के किसानों को कर्ज माफी की मांग के साथ अनिश्चितकालीन उपवास पर बैठे हार्दिक पटेल के शांतिपूर्ण के दौरान प्रशासन और पुलिस द्वारा हो रही अत्याचार, बदमाशी को लेकर पास के कन्वीनरों की तरफ से पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति द्वारा गुजरात हाईकोर्ट में अरजन्ट अर्जी दाखिल की गई है, जिसमें पास के कन्वीनरों की तरफ से प्रशासन और पुलिस पर गंभीर आरोप लगाया गया था कि, हार्दिक को पुलिस प्रशासन द्वारा नजरकैद किया गया है और उपवास के स्थल पर जीवनजरूरी चीजवस्तु भी नहीं लेने जाते हैं। पास की यह महत्व की अर्जी की आगे की सुनवाई शुरू की जाए ऐसी संभावना है।

पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति तरफ से की गई अर्जी में यह मतलब का मुद्दा उपस्थित किया गया था कि, पास के कन्वीनर और पाटीदार युवा नेता हार्दिक पटेल द्वारा पाटीदारों को आरक्षण और राज्य के किसानों को कर्ज माफी की मांग के साथ अनिश्चितकालीन उपवास चल रहे है। हार्दिक काफी शांतिपूर्ण तरीके

से यह उपवास आंदोलन चल रहा है, फिर भी पुलिस और प्रशासन द्वारा हार्दिक के उपवास स्थल पर इसे मिलने के लिए आते, इसका हालचाल लेने आते रिश्तेदारों, दोस्तों सहित सभी लोगों को पुलिस गलत तरीके से परेशान कर रही है और अपने अधिकार या सत्ता के बाहर जाकर गलत तरीके से विजिटर्स को हार्दिक को मिलने से रोकी रही है। पुलिस इस प्रकार से हार्दिक को मिलने से कोई रोक नहीं सकता है, कानून में ऐसा कोई प्रावधान या पुलिस को भी सत्ता नहीं है।

लेकिन हार्दिक के उपवास स्थल पर दूध, पीने का पानी, सब्जी सहित की जीवन जरूरी चीजवस्तु भी नहीं लिए जाने देते है। सीसीटीवी से तैयार पुलिस वान और गाडियों के द्वारा हार्दिक के उपवास स्थल और इसे मिलने के लिए आ रहे सभी लोगों का मोनीटरींग किया जा रहा है, जो बिल्कुल अवैध और कानून के भंग समान है। डॉक्टरों ने पहले से ही इसे अस्पताल में एडमीट सलाह करने की सलाह दी थी लेकिन हार्दिक अस्पताल में भर्ती होने के बदले में बुधवार को सुबह में एम्ब्युलन्स के साथ डॉक्टर टीम द्वारा अपने उपवास स्थल पर ही मेडिकल चेकअप को प्राथमिकता दी थी। इस दौरान बुधवार को पांचवें दिन हार्दिक पटेल ने ट्वीट के द्वारा गंभीर प्रतिक्रिया देकर सरकार और पुलिस प्रशासन सीधा हमला किया गया। हार्दिक ने दावा किया है कि, इसे उपवास आंदोलन में मिलने के लिए अभी तक में ६० हजार से ज्यादा लोग आये लेकिन पुलिस ने इसमें से सिर्फ ११२४ लोगों को उनके घर तक आने दिया। इस दौरान उपवास के पांचवें दिन बुधवार को मेडिकल चेकअप के दौरान हार्दिक का वजन और ५०० ग्राम कम हो गया। हालांकि, इसका ब्लडप्रशेर, सुगर सहित के दूसरा रिपोर्ट नॉर्मल आया था। डॉक्टरों की टीम ने हार्दिक को अस्पताल में भर्ती होना या फल, ज्युश और लीकवीड लेने की हार्दिक को फिर से सलाह दी है। हार्दिक पटेल ने ट्वीट करके कटाक्ष किया है कि, संविधान में कोई नई धारा शामिल की गई है क्या मेरे घर में कौन आयेगा और कौन नहीं आयेगा इसका फैसला भी अब पुलिस और भाजपा करेगी पिछले पांच दिन से तो ऐसा ही लग रहा है। मुझे मिलने के लिए पूरे राज्य से ६० हजार से ज्यादा लोग आये थे लेकिन पुलिस ने सिर्फ ११२४ लोगों को ही मेरे घर तक आने दिया। उल्लेखनीय है कि, गत दिन भी हार्दिक को मिलने के लिए मध्यप्रदेश से काफी बड़ी संख्या में लोग आये थे लेकिन पुलिस ने सिर्फ २० लोगों को जाने दिया था।

नर्मदा योजना के नहर नेटवर्क के लिए केन्द्र ने मंजूर किए 730.90 करोड़

अहमदाबाद। केन्द्र सरकार ने गुजरात की जीवनदायिनी नर्मदा योजना के नहर नेटवर्क के लिए रु. 730.90 करोड़ मंजूर किए हैं। यह जानकारी देते हुए उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने बताया कि सरदार सरोवर नर्मदा योजना के नहर नेटवर्क के लिए त्वरित लाभ सिंचाई योजना के तहत वर्ष 2018-19 के लिए केन्द्र सरकार द्वारा 730.90 करोड़ की सहायता मंजूर की गई है। नर्मदा योजना केन्द्र सरकार द्वारा प्राथमिकता के आधार पर पसंद की गई देश की 99 योजनाओं में से एक है। केन्द्र सरकार लोंग टर्म इरीगेशन फंड (एलटीआईफ) योजना से रु. 1484.391 करोड़ की लोंगटर्म इरीगेशन फंड की लोन 6 प्रतिशत से कम ब्याज दर पर मंजूर की है, जिससे नर्मदा योजना के काम को गति मिलेगा। राज्य के लाखों किसानों को सिंचाई का पानी और करोड़ों नागरिकों की पेयजल की जरूरतों को पूरा करनेवाली इस योजना के नहर नेटवर्क का कार्य जल्द पूर्ण किया जाएगा। नितिन पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केन्द्र में सत्ता की कमान संभालने के 17 दिनों बाद सरदार सरोवर बांधकी ऊंचाई बढ़ाने की मंजूरी दी थी और जून 17 में गेट बंद करने की अनुमति प्रदान की थी।

सारंगपुर इलाके से पशुओं को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला

अहमदाबाद। शहर के सारंगपुर दोलतखाना के पास अवैध वाडा खड़ा करके गायों को बांधने वाले लोगों के विरूद्ध कार्रवाई करने के लिए बुधवार को अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों और पुलिस की टीम पहुंची थी। रास्ते पर आवारा पशुओं को पकड़ने का काम चल रहा था तब कई स्थानीय मालधारी लोग वहां पहुंच गये और पुलिस तथा एएमसी के अधिकारियों -कर्मचारियों के साथ संघर्ष शुरू हो गया। बात यहां तक बिगड़ गई कि एक समय में नाराज हुए यह स्थानीय लोगों ने हाईकोर्ट के निर्देश अनुसार आवारा पशुओं को पकड़ने का काम कर रहे पुलिस और एएमसी की टीम पर हमला किया गया था, जिसमें दो पुलिस कर्मचारी घायल होने पर उनको वीएस. अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इस घटना की वजह से पूरे क्षेत्र में भारी सनसनी मच गई थी और माहौल तनावपूर्ण हो गया। सारंगपुर दोलतखाना के पास अवैध वाडा खड़ा करके गायों को बांधने वाले लोगों के विरूद्ध और आवारा पशुओं के आतंक लिए जिम्मेदार शख्सों के विरूद्ध कार्रवाई करने के लिए एएमसी की टीम बुधवार को पुलिस सुरक्षा काफिले के साथ पहुंची थी। रास्ते पर आवारा पशुओं के विरूद्ध कामकाज चल रहा था इस दौरान अचानक कई स्थानीय मालधारी लोग वहां पहुंच गये और एएमसी के कर्मचारियों और पुलिस टीम के साथ संघर्ष शुरू हो गया और कामकाज का काफी विरोध किया गया। एएमसी के अधिकारियों और पुलिस ने हाईकोर्ट के आदेश का पालन किए जा रहे होने से इसमें कोई रूकावट नहीं डालने की स्पष्ट सूचना दी गई थी लेकिन नाराज हुए स्थानीय शख्सों ने एएमसी के कर्मचारियों और पुलिस के जवानों के साथ संघर्ष जारी रखा और कुछ देर में तो पुलिस और एएमसी कर्मचारियों को वहां से भगाने के लिए पत्थरबाजी शुरू कर दी।

यूनिवर्सिटी केएस स्कूल बिजनस के विद्यार्थियों ने त्यौहार में परीक्षा को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

स्कूल, गुरुकुल के बस, आटो व वान चालकों के कटे चालान

अहमदाबाद । शहर में स्कूलवर्धी वान और स्कूलबस को नजरअंदाज करने वाले आरटीओ को अब सरकार ने अनिवार्य ड्राइव करने का आदेश देने पर प्रशासन अब सक्रिय हो गया है। बुधवार को सुबह में ६ बजे से ५२ आरटीओ कर्मचारियों ने शीलज, गुरूकुल, थलतेज, बोपल क्षेत्र में ड्राइव चलाया गया और बड़ी संख्या में स्कूलवान और बस, रिक्शा की जांच करके नियम भंग मालूम होने पर दोषी स्कूल वाहनचालकों को जुर्माना लगाया गया। आरटीओ ड्राइव की वजह से अन्य क्षेत्र में भी स्कूल वाहनचालकों में दहशत फैल चुकी है।

शहर की प्रसिद्ध कई स्कूल एचबी. कापडिया, गुरूकुल, उद्गम स्कूल-थलतेज, तुलीप स्कूल-बोपल और आनंदनिकेतन स्कूल-शीलज सहित की स्कूलों में विद्यार्थियों को लाती-लेकर जाती स्कूल बस -रिक्शा और वान की चेकिंग शुरू की गई। बुधवार को सुबह से ही आरटीओ की चार टीम और ५० से ज्यादा इंस्पेक्टरों ने स्कूल क्षेत्र से २०० मीटर से शुरू करके दो किलोमीटर तक स्कूल में आते वाहनों की चेकिंग की गई और वाहनों की फीटनेस मामले में कार्रवाई की गई, जि समें ट्राफिक के नियम भंग होने पर ८० से ज्यादा की संख्या में वाहन पकड़े गये थे, इसमें स्कूलवान और बस, ऑटोरिक्शा सहित शामिल है। इस मामले में आरटीओ एसपी. मुनिया ने बताया है कि, अहमदाबाद आरटीओ समय समय पर यह अभियान जारी रखेगा और आरटीओ की कार्रवाई चालु ही रहेगी। बुधवार को सुबह से ही आरटीओ की टीम फिल्ड में उतरी थी। अहमदाबाद शहर में स्कूलवर्धी के लिए करीब ७०,००० स्कूल रिक्शा और ६०,००० स्कूलवान चलती है। स्कूल बस, रिक्शा और स्कूलवर्धी वान के लिए बनाये गये नियमों जैसे अनदेखा कर रहे है। अंधाधुंध तरीके से वाहन चला रहे स्कूल बस के चालकों को बच्चों के भविष्य की कोई चिंता नहीं होती है।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com